

उत्तराखण्ड शासन
उच्च शिक्षा अनुभाग-7

संख्या: 2963/XXIV(7)/2014-35(01)/2014
देहरादून, दिनांक: 25 नवम्बर, 2014

कु0नीतू त्यागी,
द्वारा:-वेदप्रकाश त्यागी,
4/79 बी,रक्षापुरम,मदानी रोड मेरठ।

शासन के नियुक्ति/विज्ञप्ति संख्या: 2392/XXIV(7)/2014-24(01)/2012-T.C, दिनांक: 16.08.2014 के द्वारा आपकी नियुक्ति असिस्टेंट प्रोफेसर (प्रवक्ता) अंग्रेजी के पद पर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नारायणनगर (पिथौरागढ़) में करते हुए आपको योगदान हेतु एक माह का समय प्रदान करते हुए निर्धारित समयावधि के अन्दर संबंधित महाविद्यालय में योगदान करने हेतु निर्देशित किया गया था। परन्तु आपके द्वारा उक्त निर्धारित समयावधि व्यतीत होने के उपरांत भी पद पर योगदान नहीं किया गया है। आपने अपने पत्र दिनांक: 15.09.2014 द्वारा योगदान करने हेतु अतिरिक्त समय मांगा गया जिसकी भी नियमों में व्यवस्था नहीं है।

2. उक्त के क्रम में अवगत कराया जाना है कि कार्मिक विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या: 2607/XXX(II)/2005, दिनांक: 26.08.2005 में यह व्यवस्था है कि नवनियुक्त अग्यर्थी एक माह के अन्दर कार्यभार ग्रहण करें, जिसे अपरिहार्य परिस्थितियों में एक माह तक और बढ़ाया जा सकता है। आपकी नियुक्ति/विज्ञप्ति दिनांक: 16.08.2014 द्वारा की गई है। उक्त तिथि से योगदान हेतु एक माह की समय सीमा दिनांक: 16.09.2014 को पूरी हो जाती है तथा उक्त तिथि से नियमानुसार एक माह का अतिरिक्त समय दिनांक: 16.10.2014 को पूर्ण हो जाता है।

3. चूंकि नियमों में नवनियुक्ति के उपरांत योगदान हेतु दीर्घावधितक अतिरिक्त समय प्रदान किये जाने की व्यवस्था नहीं है। नियमानुसार आपके द्वारा अपनी प्रथम नियुक्ति/तैनाती दिनांक: 16.08.2014 से एक माह दिनांक: 16.09.2014 तथा एक माह अतिरिक्त का समय दिनांक: 16.10.2014 तक भी योगदान आख्या प्रस्तुत नहीं की गयी है। अतः आपको अंतिम अवसर प्रदान करते हुए निर्देशित किया जाता है कि पत्र प्राप्ति के 01(एक) सप्ताह के भीतर अपनी प्रथम नियुक्ति/तैनाती स्थल पर योगदान देना सुनिश्चित करें। उक्त निर्धारित समयावधि के भीतर यदि योगदान नहीं दिया जाता है तो यह मानते हुए कि नियुक्ति हेतु आप इच्छुक/सहमत नहीं हैं और तदनुसार आपका अग्यर्थन समाप्त कर आपकी नियुक्ति समाप्त कर दी जायेगी।

(निधि मणि त्रिपाठी)
प्रभारी सचिव।